

समस्त भारतवासियों की प्रेरणा, स्वाभिमान एवं हैरिय की जननी

II (81b)ms

महामहोदय, अपराजिता भारतमाता को सहृदय 'वंदे मातरम!' कोटीकोटी प्रणाम!

माते, आशा ही नहीं आपि पूर्ण विश्वास है कि, आप हमसे, समस्त प्रजा से, अपने पुत्रों से 100% नाराज हो! मैं आपसे सरकार एवं भारतीय डाक का बहुत-बहुत आभारी हूँ, जिन्होंने इस प्रतियोगिता के माध्यम से मुझे अपनी भावनाएँ, अभिव्यक्तियों प्रस्तुत करने का एवं अप्रत्यक्ष रूप से भारत माता से वातलाप करने का सुअवसर दिया।

माँ, हमारे भारत देश का इतिहास स्वर्णिम, भूगोल व्यापक एवं साहित्य काफी विस्तीर्ण है। ऐसे तेजस्वी देश की आप जननी हो। हमें अभिमान है अपने आप पर! किंतु, हमारा इतिहास जितना उज्वल था, तथापि वर्तमान उतना नहीं हो। कारण- त्याग एवं बलिदान का अभाव! माते, याद है- जब आप पर परकीय सुत्ताओं द्वारा आक्रमण हो आप बेदिस्त हो गई थीं, तब आपको परतंत्रता पाश से मुक्त करने कई दुतात्माओं ने बसते-हसते अपने प्राण आप पर लोहावर कर दिये; किंतु आज- आज स्थिती विपरित है माँ! आज आप कथा- अपनी सगी माँ- बहनों की रक्षा नक करना नबर्जतम पीढ़ी को बोझ लग रहा है। कारण- आधुनिकता का प्रवेश व समय का अभाव। लम्बी तो आप को स्वयं भी अमुराक्षित लग रहा होगा। क्षमा करें माँ!

माँ, मैं वास्तव विशद करना चाहता हूँ। भले ही वह कड़वा लगे; क्योंकि वह सत्य है। सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं। ठीक उसी तरह आप संयम की मूर्ति होने की वजह से बेशक सहनशीलता में मग्न हो, अपने (क)पुत्रों के कारनामों से व्याधित हो; किंतु मैं आपकी व्यथा समझ रहा हूँ। माँ! बेटा हूँ न आपका। क्यों हमारे अंतर्मन में केवल 15 अगस्त व 26 जनवरी के दिन ही देशभक्ति के झरने बहते हैं? क्यों इसी दिन हम देशभक्ति के गीतों को गुनगुनाते हैं? अन्य दिन क्या हमारी भारतमाता.. भारत-माता नहीं होती? यदि, हर दिन एक बार हम मन में 'वंदे मातरम' का जाप करें, तो यही हमारी आपके प्रति सच्ची श्रद्धा होगी। आपकी रक्षा एवं संवर्द्धन की खातिर यदि हम छोटी-छोटी बातों में पर्यावरण की देखभाल करें, प्रदूषण ना करें, कूड़ा ना फैलायें, जल एवं मृदा को बचायें, पेड़ लगायें, तो यही आपकी सही मायने में पूजा होगी। कोई जरूरत नहीं आपको प्रतिमा स्थापन कर, दीपप्रज्वलन कर, भीड़ शकटों कर धार्मिकता में भारत-माता पूजन करने की! सही जरूरत है- मृदासंवर्द्धन की, बुझारोपण की, वनसंपदा जनन की एवं जलसंधारण की! माँ, मैं आपके सामने बहुत छोटा हूँ, हीन-तुच्छ हूँ, किंतु मन को तड़प को आप तक पहुँचा रहा हूँ, हो सकता है इस मयी, आधुनिक पीढ़ी को वंचनान-बाधित, युवजगत को आप 'तथास्तु' कह दें व यह देश का आविष्य सुचारु रूप से आपकी सेवा में व्यस्त हो आपको प्रसन्न कर दें।

11/11/15  
10/6/15

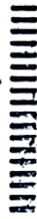
DO NOT WRITE OR PRINT BELOW THIS LINE

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड  
INLAND LETTER CARD

निदेशिका मुंबई जी.पी.ओ.  
Director Mumbai GPO 400 001

06 NOV 2018  
RECEIVED

057153



भारतीय पोस्ट द्वारा  
आयोजित  
दोई आखर पत्रलेखन स्पर्धा 2018,

पोस्टमास्टर साब (जनरल)  
मुंबई सर्कल, मुंबई (महाराष्ट्र)  
(महाराष्ट्र सर्कल)

Do not write or print below this line. पिन PIN

4000001

भारत

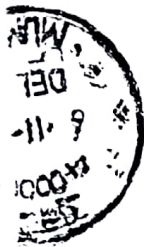
दुसरा माह SECOND FOLD

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखें NO ENCLOSURES ALLOWED

पते में पिन कोड लिखें WRITE PIN CODE IN ADDRESS

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS:—

गणेश चंद्रबलीजी गुप्ता (61 वर्ष)  
मेन रोड, तोंगा चौक, पुरानी बस्ती  
मुर्तिजापूर, जि. अकोला (महाराष्ट्र)  
पिन PIN 444107 भारत



PHILATELY: KING OF HOBBIES

CONTACT:  
Nearest Philatelic Bureau

COLLECT INDIA POSTAGE STAMPS

गर्व से कहो हम भारतीय हैं।  
भारतीय डाक... पोस्टलेखन चलें!

पहला माह FIRST FOLD

म.मु./S.P.P.,HYD.-2016

Handwritten text in Devanagari script, likely a letter or a collection of notes related to the postal theme.